PLATINUM JUBILEE YEAR
GANGADHAR MEHER UNIVERSITY
www.gmuniversity.ac.in

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय

अमृत विहार, संबलपुर, ओड़िशा-768004

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग की ओर से
दिनांक 2 और 3 मार्च 2019 को
स्थान- एलजी-1, समयः प्रातः 10 बजे

साहित्य और विचारधारा

(हिन्दी साहित्य के संदर्भ में)

पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

अध्यक्षता – डॉ. अतनु कुमार पति,
कुलपति, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर

बीज वक्तव्य – डॉ. हरिश्चन्द्र मिश्र,
प्रोफेसर हिन्दी विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन

मुख्य अतिथि – डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव,
हिन्दी विभाग, स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर(उप्र)

समापन समारोह

मुख्य अतिथि – डॉ. राधाकान्त मिश्र, *प्रोफेसर एवं भूतपूर्व प्राचार्य,*
गंगाधर मेहेर स्वयंशासित महाविद्यालय
इस अवसर पर आप सादर आमंत्रित हैं ।

डॉ. सदन कुमार पॉल	डॉ. ज्योति मिश्र	गिरीश चन्द्र सिंह
विभागाध्यक्ष एवं संगोष्ठी संयोजक	आयोजन सचिव	कुलसचिव

आमंत्रित विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी

1. डॉ. अजय कुमार पटनायक, भुवनेश्वर
2. डॉ. रवीन्द्र नाथ मिश्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन
3. डॉ. शंकरलाल पुरोहित, भुवनेश्वर
4. डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, कोलकात्ता
5. डॉ. अंजुमन आरा, रेवेन्शा विश्वविद्यालय, कटक
6. डॉ. राजीव रंजन राकेश, झारखंड
7. डॉ. गुलाम मोइनुद्दीन खान, भुवनेश्वर
8. श्री रमेश शर्मा, रायगढ़(छत्तीसगढ़)
9. डॉ. कुना पंडा, रमादेवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
10. श्री कार्तिक कुमार राय, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकात्ता
11. डॉ. जयंतकर शर्मा, कुलसचिव, ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, संबलपुर
12. डॉ. कमलप्रभा कपानी, प्राचार्य, पंचायत महाविद्यालय, बरगढ़
13. डॉ. उस्मान खान, कटक
14. डॉ. मुरारीलाल शर्मा, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर
15. डॉ. छबिल मेहेर, हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर(मप्र)
16. डॉ. साधेश्वरी महतो, संत अगस्तिन महाविद्यालय, मनोहरपुर, झारखंड
17. डॉ. मीनकेतन प्रधान, रायगढ़(छत्तीसगढ़)
18. डॉ. चक्रधर प्रधान, हुगली(पश्चिमबंगाल)

संगोष्ठी के विषय में

साहित्य अपने काल का प्रतिबिम्ब होता है। जो भाव और विचार लोगों के हृदयों को स्पंदित करते हैं, वही साहित्य पर भी अपनी छाप ड़ालते हैं। साहित्य और विचारधारा का सम्बन्ध गहरा है। अपनी यात्रा में साहित्य भिन्न-भिन्न समय पर अलग अलग विचारधारा के पड़ाव से गुजरता है परन्तु विचारणीय यह है कि क्या साहित्य विचारधारा का वाहक है। प्रश्न यह है कि विचारधारा का साहित्य होता है या फिर साहित्य की विचारधारा होती है। हिन्दी साहित्य की यात्रा में भिन्न-भिन्न युगों में अलग अलग विचारधारा से साहित्य प्रभावित होती रही। सामन्ती लावण्य, युद्ध की गर्जना, भक्ति की सरिता, दरबार का गीत या फिर विद्रोह का स्वर, स्वतंत्रता का जयघोष, वर्ग संघर्ष का आह्वान प्रयोग और नये की खोज, मन की ऊहा-पोह से गुजरकर विचार और भावना की अभिव्यक्ति होती रही। इस संगोष्ठी में विचारधारा और साहित्य से जुड़े तमाम पहलू विचारणीय होंगे।

शंगोष्ठी के विषय

1. साहित्य और विचारधारा का संबंध
2. विचारधारा का साहित्य या साहित्य की विचारधारा
3. हिन्दी साहित्य और प्रमुख विचारधाराएँ
4. प्रगतिवादी विचारधारा और हिन्दी साहित्य
5. प्रयोगवादी विचारधारा और हिन्दी साहित्य
6. समन्वयवाद और हिन्दी साहित्य
7. नारी विमर्श और हिन्दी साहित्य
8. दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य

हिन्दी विभाग के बारे में

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन एवं अध्यापन का कार्य चल रहा है। इसमें वर्ष 2018 मील का पत्थर साबित हुआ जब एक ही साथ स्नातकोत्तर, एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वर्तमान स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल एवं पीएचडी के 112 विद्यार्थी हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य कर रहे हैं और हिन्दी भाषा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आयोजन समिति

संगोष्ठी संयोजक : डॉ. सदन कुमार पॉल
आयोजन सचिव : डॉ. ज्योति मिश्र

सदस्य :

डॉ.दाशरथी बेहेरा - 9438385482
डॉ. प्रणती बेहेरा - 7894154603
गोविंद नायक -8895665785
नूतन शतपथी, ह्रदा नाग, चिनामाली भरासागर, बिनिता विश्वाल, स्मृति स्मरणिका जेना, राखी सिंह, शबाना बड़पंडा, मनोज मेहेर, जतिन द्वारी, अजय दाश

आयोजक संस्थान के बारे में

संबलपुर ओड़िशा और छत्तीसगढ़ राज्यों के बीच में स्थित है और दोनों प्रांतों को जोड़ता है। महानदी के बायें किनारे पर स्थित यह नगर कभी हीरों के व्यवसाय का केंद्र था । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त बांधकला (सूती और रेशमी बुनावट), आदिवासी समृद्ध विरासत और प्रचुर जंगल भूमि के लिए प्रसिद्ध है यह नगर। नगर की पृष्ठभूमि में वनाच्छादित पहाड़ियाँ स्थित है, जिसके कारण नगर सुंदर लगता है। संबलपुर का नाम समलेश्वरी देवी के नाम पर पड़ा है, जो शक्तिरूपा हैं और इस क्षेत्र में पूज्य देवी हैं। जीवनदायिनी नदी महानदी पर बने भव्य एवं विशाल हीराकुद बांध के पास बसे संबलपुर के ऐतिहासिक शहर के बीचोंबीच स्थित है गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय। इसकी स्थापना 1944 में संबलपुर कॉलेज के रूप में हुआ था। बाद में 1949 में इसका नाम बदलकर गंगाधर मेहेर कॉलेज कर दिया गया। श्री गंगाधर मेहेर ओड़िया के प्रसिद्ध कवि हैं। कॉलेज ने 1991 में एक स्वायत्त कॉलेज के रूप में काम करना शुरू किया। 30 मई 2015 को एकक विश्वविद्यालय के रूप में अस्तित्व में आया। 2015 में नैक द्वारा 'ए' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त होने पर अपनी सफलता का और एक मील का पत्थर साबित हुआ। इसमें नौ संकायों और 23 विभागों के साथ यूजी, पीजी, एमफिल एवं पीएचडी में अध्ययन और अनुसंधान कार्य हो रहा है। विविध सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के 5500 से अधिक छात्रों के साथ ओड़िशा के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में से एक है।

सच में संबलपुर एक सपने से कम नहीं । यदि अवसर मिले तो पर्यटक हों, सैलानी हों या फिर धार्मिक यात्रा हों, सभी इस सुंदर और आकर्षक स्थल आने का अवसर ढूंढते हैं। ऐसे में आप राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं।

पंजीकरण शुल्क

छात्र(स्नातक और स्नातकोत्तर)	रु. 300
शोध छात्र	रु. 500
अध्यापक	रु. 500
आलेख प्रस्तुतकर्ता	रु. 1000

पंजीकरण तिथि

शोध सार (250 शब्द) एवं पूर्ण शोध प्रपत्र (1500 शब्द संदर्भ सहित)
Hindi Font- Krutidev, Akruti Bhaskar, Unicode Mangal,
14 Font Size में 28 फरवरी 2019 तक
behera.dasharathi@yahoo.com या drdasharathibehera@gmail.com पर प्रेषित करें।

आवश्यक सूचना

1. संगोष्ठी में भाग लेनेवाले सभी शिक्षक एवं शोध छात्र पत्र प्रस्तोताओं को शोध पत्र पढ़ने से पूर्व अपने शोध पत्र की छायाप्रति आयोजकों को देनी होगी
2. शोध पत्र केवल विश्वविद्यालय वेबसाइट पर ही अपलोड किए जाएंगे
3. पंजीकरण शुल्क एवं फार्म पंजीकरण स्थल पर ही जमा करवाएं
3. शोध छात्र पत्र प्रस्तोताओं को शोध निदेशक/विभागाध्यक्ष की अनुमति की प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा

नोटः संगोष्ठी में भाग लेनेवाले सभी शिक्षक एवं शोध छात्र प्रस्तोताओं के खाने की व्यवस्था संस्थान की ओर से निःशुल्क रहेगी, जबकि आने जाने का किराया व ठहरने का किराया वे स्वयं वहन करेंगे।

संरक्षक

डॉ. अतनु कुमार पति
कुलपति, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर

सलाहकार समिति

श्री गिरीश चंद्र सिंह, कुलसचिव, गंगधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर
श्री उमाचरण पति, उप कुलसचिव, गंगधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर
श्री कीर्ति प्रकाश गुप्त, सेवानिवृत्त रीडर, गंगाधर मेहेर महाविद्यालय, संबलपुर
डॉ.मुरारीलाल शर्मा, संयोजक, हिन्दी विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर
डॉ. कमलप्रभा कपानी, प्राचार्य तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष, पंचायत महाविद्यालय, बरगढ़
डॉ. गुलाम मोइउद्दीन खान, हिन्दी विभागाध्यक्ष, बीजेबी महाविद्यालय, भुवनेश्वर

PLATINUM JUBILEE YEAR
GANGADHAR MEHER UNIVERSITY
www.gmuniversity.ac.in

राष्ट्रीय संगोष्ठी
साहित्य और विचारधारा
(हिन्दी साहित्य के संदर्भ में)

2-3 मार्च 2019

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,
गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय,
अमृत विहार, ओड़िशा, पिन-768004

संयोजक :
डॉ. सदन कुमार पॉल
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
मो.9861009638

आयोजन सचिव :
डॉ. ज्योति मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
मो.9438281190